

बिटीबी को नगरपरिषद का नोटिस मिलने के बाद भी 'अवैध वसूली शुरू'

बीटीबी सब्जी बाजार में अवैध वसूली को तत्काल रोकने के संबंध में मिला था नोटिस...

बिटीबी पर होगा गुना दर्ज? : कब मिलेगा किसान और व्यापारियों को न्याय?

नगरपरिषद मुख्याधिकारी एक्शन मोड़ पर : अवैध वसूली नहीं रोकी तो क्या अब होगी कार्यवाही?

आवाज़ भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा शहर में बीटीबी में हो रही अवैध वसूली को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। नगरपरिषद द्वारा बिटीबी की अवैध वसूली बिटीबी हटाओ संघर्ष समिति के आंदोलन के बाद बंद कर दी थी, जिसके बाद बताया जा रहा है कि, बिटीबी ने न्यायालय से वसूली के आदेश लाए हैं, लेकिन शिकायत ऐसी की जा रही है कि बिटीबी में अवैध वसूली किसानों और व्यापारियों से जबरन की जाने की चर्चा है। जिसके बाद इस मामले की शिकायत भंडारा नगरपरिषद मुख्याधिकारी करण कुमार चौहान को 16 जून को कुछ व्यापारियों ने की। जिसके बाद नगरपरिषद मुख्याधिकारी करण कुमार चौहान अब एक्शन मोड़ पर आ गए हैं। और बिटीबी को आदेश पत्र भेजा गया था। इसके साथ ही नगरपरिषद ने आदेश का पोस्टर भी लगाया गया था। लेकिन बिटीबी ने आदेश को न मानते हुए पोस्टर निकलकर फेक दिया और अवैध वसूली शुरू रखी। जिसके बाद अब व्यापारियों ने नगरपरिषद से मांग की है कि जल्द से जल्द बिटीबी की अवैध वसूली बंद की जाए और वसूली लेने वालों के



खिलाफ कार्यवाही कर पुलिस थाने में गुना दर्ज किया जाए...

क्या था नगरपरिषद का आदेश पत्र...
जिला न्यायालय भंडारा के निर्णय के अनुसार,



और नागरिकों द्वारा शिकायत करने पर नगर परिषद को नियमानुसार कार्रवाई करने का अधिकार है, जिसके अनुसार सामाजिक कार्यकर्ताओं और बाजार पेशेवरों द्वारा नगर परिषद कार्यालय में एक शिकायत दर्ज की गई है। कि बीटीबी सब्जी मार्केट एसोसिएशन अवैध तरीके से पैसे की वसूली कर रहा है। साथ

ही शिकायत में कहा गया है कि बीटीबी सब्जी व्यापारी संघ बाजार का प्रबंधन नहीं कर रहा है, जगह-जगह गंदगी जमा हो रही है और बाजार में आने वाले आम नागरिकों से अवैध पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। साथ ही मुख्याधिकारी ने कहा है कि महाराष्ट्र नगर परिषद नगर पंचायत औद्योगिक नागरिक अधिनियम 1965 में प्रधान को दिए गए अधिकार के अनुसार, बीटीबी सब्जी व्यापारी संघ को बीटीबी सब्जी व्यापारी के परिसर में कोई भी अवैध वसूली करने से प्रतिबंधित किया गया है। अगले आदेश तक। इस आदेश के अनुसार, हमें यह ध्यान रखना होगा कि यदि अवैध वसूली को तुरंत नहीं रोका गया, तो आपके खिलाफ पुलिस स्टेशन भंडारा में अपराधिक संहिता के अनुसार मामला दर्ज किया जाएगा और पूरी कार्यवाही के लिए आप जिम्मेदार होंगे। क्या अब बिटीबी की अवैध वसूली बंद होगी?? क्या गरीब किसानों को मिलेगा न्याय?? अब नगरपरिषद क्या करेगी? क्या होगा बिटीबी पर अपराध दर्ज होगा?? इस और नागरिकों की नजरे बनी हुई है।

ओवरलोड ट्रकों से बपेरा-भंडारा मार्ग जर्जर

आवाज़ भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : भंडारा जिले के अंतर्गत आनेवाले नदी घाटों पर जिला प्रशासन ने रेत के डिपो आवंटित किए हैं, जिसके कारण रात-दिन सैकड़ों की संख्या में टिप्पर, ट्रक इस राज्यमार्ग पर बपेरा से तुमसर, भंडारा होते हुए नागपुर, अमरावती तक रेत पहुंचाने के काम में लगे हैं। इसकी दूसरी तरफ रेत से ओवरलोड टिप्परों, ट्रकों की लगातार आवाजाही के चलते बपेरा-भंडारा राज्यमार्ग जर्जर हो गया है। हालांकि लोकनिर्माण विभाग ने गड्डों को समतल करने का काम शुरू किया है, तथापि ओवरलोड वाहनों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना



करना पड़ रहा है। नियमों को धता बताते हुए टिप्पर, ट्रक रेत के परिवहन में लगे हुए हैं। इन टिप्परों में भरी रेत को तिरपाल आदि ढाँके नहीं जाने से रेत उड़कर राह चलते लोगों की आँखों में जा रही है। नदी घाटों के डिपो पर दिन-रात रेत भरे टिप्पर, ट्रक और ट्रैक्टरों के चलने से ग्रामीण इलाकों की सड़कें बेहाल हो गई हैं, वहीं बपेरा-भंडारा राज्यमार्ग जर्जर हो गया है। बताया गया कि पिछले दिनों क्षेत्र के हर ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत विकास कार्यों के तहत सड़कों की मरम्मत की गई थी, किंतु भारी वाहनों की वजह से राज्यमार्ग से लेकर गांव की भीतरी सड़कों की हालत खस्ता हो गई है। बपेरा- भंडारा राज्य मार्ग पर पड़े गड्डों को भरने के लिए लीपापोती की जा रही है।

कड़ी मेहनत के बावजूद अपेक्षित वोटिंग नहीं हुई, इसका अफसोस सुनील मेंढे कहते हैं, नई उम्मीद के साथ काम करूंगा....

आवाज़ भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र में हमने काफी काम किया। उससे ज्यादा जनसंपर्क किसी सांसद ने नहीं किया। कई गांवों तक अकेले पहुंचे। पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के लिए काफी काम किया गया। हालांकि, अपेक्षित मतदान नहीं हुआ। अफसोस है कि हमने मतदाताओं का वोट स्वीकार कर लिया है। पूर्व सांसद सुनील मेंढे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वास जताया कि हम हार का अफसोस किए बिना नई उम्मीद के साथ फिर से काम करेंगे, पार्टी जो आदेश देगी उसका पालन करते हुए हम आगामी विधानसभा चुनाव में सफल होंगे। चुनाव नतीजों के बाद पहली बार उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र के



लाखों मतदाताओं के फैसले का सम्मान करते हैं। हालांकि, परिणाम आश्चर्यजनक हैं। हम सबने मिलकर काम किया। हालांकि, अपेक्षित सफलता नहीं मिली। विरोधियों ने ऐसा दुष्प्रचार फैलाया जिसका विषय से कोई लेना-देना नहीं था। वह उसमें सफल रहे। आप मूलतः एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। हम इसलिए नहीं रुकेंगे क्योंकि हम हार गए हैं, हम काम करना जारी रखेंगे। राज्य और केंद्र में बीजेपी और सहयोगी दल की सरकार है। इसलिए भंडारा जिले में विकास का रास्ता कोई नहीं रोक पाएगा। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में भी इस उद्देश्य के लिए

पूरी ताकत से काम करते रहेंगे। **कार्य जारी रहेंगे**
भले ही हम हार गए हैं, लेकिन हम केंद्र में भाजपा सरकार पाकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह विश्वास बढ़ा है कि हमारे द्वारा किये गये सभी काम पूरे होंगे, चल रहे काम भी पूरे होंगे, उन कामों का सिलसिला जारी रहने से कोई परियोजना नहीं रुकेगी। उन्होंने विकास कार्य जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। **बसपा को अपने ही वोट नहीं मिले**
बसपा के पास इस क्षेत्र में भारी वोट हैं। हालांकि, इस पार्टी की अपनी राय है नहीं ले सका हमने पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के लिए कई योजनाएं लागू कीं। उम्मीद थी कि वो वोटर हमारे साथ रहेंगे। मेंढे ने कहा कि इसका असर नतीजे पर पड़ा।

भागो भागो...रेती की अवैध वसूली करने वाला कर्मचारी आया ट्रक्टर पकड़कर ली जाती है मोटी रक्कम ?

अवैध रेत के टिप्परों पर क्यों मेहरबान? : तुमसर तहसील में ट्रक्टर मालिकों में इस वसूली कर्मचारी का डर...

कौन है वो तहसील का कर्मचारी ? जो कर रहा अवैध वसूली? : क्या तहसीलदार करेगे उस अधिकारी पर कार्यवाही?

आवाज़ भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : भंडारा जिले के तुमसर तहसील में इनदिनों अवैध व्यवसाय जैसे रेत उत्खनन को रोकने के लिए तुमसर तहसीलदार एक और कार्यवाही करते नजर आ रहे हैं तो वही दूसरी और तहसील विभाग का एक कर्मचारी इन दिनों ट्रैक्टरों से अवैध रेत उत्खनन करने वालों से कार्यवाही किए बिना मोटी रक्कम लेने की चर्चा भंडारा जिले में चल रही है। जहा एक और तुमसर तहसील के अनेक घाटों की नीलामी हो चुकी है तो वही अवैध रेत उत्खनन बढ़े पैमाने पर शुरू है। जिस पर तुमसर तहसीलदार मोहन टिकले समय समय पर कार्यवाही कर रहे हैं, लेकिन चर्चा का विषय यह बना है कि तहसील का एक 'कर्मचारी' ट्रैक्टर न पकड़ने के लिए वसूली मांगता है, और वसूली न मिलने पर कार्यवाही करने की बात करता है। बता दे की तुमसर तहसील से बहने वाली बावनथड़ी नदी से लगे रेत घाटों पर देर रात



फाइल फोटो

अवैध रेत चोरी का प्रकरण चलता है। ट्रैक्टरों द्वारा रेत निकलकर उसे टिप्परों से नागपुर जैसे बड़े शहरों में बेचा जाता है। और यह रेत तस्कर इतने चालाक होते हैं कि तहसीलदार के आने के पहले ही वे फरार हो जाते हैं। लेकिन सवाल यह

निर्माण होता है की क्या इस अवैध रेत उत्खनन की जानकारी तलाठी या मंडल अधिकारी को नही क्या?? तुमसर तहसीलदार जब आ कर कार्यवाही कर सकते हैं तो स्थानिक तलाठी और मंडल अधिकारी क्यों नही?? क्या तलाठी और

ऐसा कोई कर्मचारी अवैध वसूली कर रहा होगा तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, ऐसी हिदायत मैंने पहले भी दी थी। अगर कोई वसूली मांग रहा है तो उसकी शिकायत एंटी करप्शन विभाग में करे।
- मोहन टिकले, तहसीलदार तुमसर

मंडल अधिकारी की कोई साठगांठ तो नही ऐसा चर्चा का विषय बना है। तुमसर तहसीलदार ने जब से पदभार संभाला है तब से अवैध रेत उत्खनन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही कर रहे हैं, लेकिन वह कर्मचारी का डर अवैध रेत उत्खनन करनेवाले में तहसीलदार से जायदा बने होने की चर्चा जिले में शुरू है। आखिर कौन है वह कर्मचारी जो कर रहा अवैध वसूली?? क्या तहसीलदार करेगे कोई उचित कार्यवाही?? ये अब देखने वाली बात है।

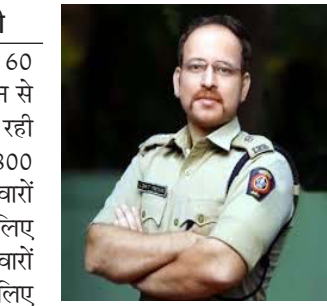
दो जिलों में शारीरिक परीक्षा दे सकेंगे पुलिस भर्ती के उम्मीदवार

एसपी ने कहा, 19 जून से प्रक्रिया शुरू होगी

3 हजार 108 पुरुष व 927 महिला उम्मीदवार परीक्षा के लिए पात्र

आवाज़ भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा जिले में 60 पदों के लिए बुधवार 19 जून से पुलिस भर्ती प्रक्रिया शुरू हो रही है। भर्ती के दौरान प्रत्येक दिन 800 पुरुष व 500 महिला उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। कई उम्मीदवारों ने एक से अधिक जिले के लिए आवेदन किए हैं। ऐसे में दोनों जिले की परीक्षा एक ही दिन रहने पर पुलिस विभाग उपरोक्त उम्मीदवार को किसी एक जिले में 25 जून के पहले परीक्षा देने का अवसर देगा। इसके लिए उम्मीदवार को पहले के जिले में भर्ती में शामिल होने के दस्तावेज दिखाने पड़ेंगे। उपरोक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी ने सोमवार 17 जून को पत्र परिषद में दी। मतानी ने बताया कि जिले में पुलिस कान्स्टेबल, चालक, बैंड्समन, सशस्त्र पुलिस कान्स्टेबल, कारागार विभाग कान्स्टेबल के 60 पदों के लिए 19 जून से भर्ती प्रक्रिया शुरू हो



रही है। इसके लिए तीन हजार 424 पुरुष तथा 966 महिला उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। जिसमें से तीन हजार 108 पुरुष तथा 927 महिला उम्मीदवार परीक्षा के लिए पात्र साबित हुए। 19 जून से 22 जून को प्रत्येक दिन 800 पुरुष उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। इसी तरह से 24 व 25 जून को लगभग 500 महिला उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। इनमें से जिन उम्मीदवारों ने दो जिले में आवेदन किए हैं, उनके एक ही दिन में परीक्षा रहने पर ऐसे उम्मीदवार एक स्थान पर परीक्षा देने के बाद 25 जून के पहले दूसरे जिले में जाकर परीक्षा दे सकते हैं।

आता चिंता विधानसभेची !

संपादकीय

लोकसभा निवडणुकीनंतर महाराष्ट्रात पंतप्रधान नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडळात अगदीच दुय्यम स्थान दिल्याने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आणि उपमुख्यमंत्री अजित पवार गटात अस्वस्थता आहे. महाराष्ट्रात शिंदे आणि पवार यांना सोबत घेऊनही महायुतीची मोठी पिछाडी झाली असतानाच भाजपलाच मोठा फटका बसला आहे. या पाश्र्वभूमीवर केंद्रीय मंत्रिमंडळातून डावलले गेल्याची शक्यता लक्षात घेता आगामी विधानसभा निवडणुकीत भाजपकडून अशीच वागणूक मिळण्याची भीती दोन्ही गटांतील आमदारांमध्ये आहे. आधीच लोकसभा निवडणुकीत जागावाटप करताना दोन्ही गटांना भाजपने अक्षरशः वेटीस धरले होते.

आता तर लोकसभा निवडणुकीत बसलेला फटका पाहता विधानसभेच्या जागावाटपात भाजपकडून अधिकच कात्री लागण्याची भीती नेत्यांमध्ये आहे. लोकसभा निवडणुकीत जागावाटप करताना शिंदे-अजित पवार गट भविष्यात वरचढ होता कामा नयेत याची खबरदारी भाजपकडून घेतली गेली. त्यात देवेंद्र फडणवीस यांची भूमिका अतिशय महत्त्वाची होती. फडणवीस यांना पुन्हा मुख्यमंत्री होण्यासाठी शिंदे- अजित पवार गट यांच्या राजकीय ताकदीला ब्रेक लावणे गरजेचे असल्याने फडणवीसांनी अनेक गेम केले, पण मतदारांनीच भाजप-फडणवीस यांचा परफेक्ट गेम केला. गेल्या लोकसभा निवडणुकीत महाराष्ट्रात सर्वाधिक जागा जिंकणारा पक्ष ठरलेल्या भाजपला यावेळी अवघ्या ९ जागांवर समाधान मानावे लागले. एकही जागा निवडून येऊ शकणार नाही अशी अवस्था असलेल्या राष्ट्रवादी अजित पवार गटाचे सुनील तटकरे यांनी विजय मिळवून राष्ट्रवादीला तारले.

शिवसेना आणि राष्ट्रवादी पक्ष फोडून, पक्ष आणि चिन्ह मिळवून देत भाजपने शिंदे आणि पवार यांना मंत्रिमंडळात मानाची पदे दिली, पण महाराष्ट्रात त्याचा उलटा परिणाम झाला. दोन्ही गटांच्या लोकसभेतील जागा कमी झाल्याच, त्यावाहून भाजपचीच मोठी पिछेहाट झाली. आता फडणवीस यांनी या पराभवाची जवाबदारी स्वीकारून राजीनामा देण्याची तयारी दाखवली, पण सध्या तरी त्यांचा राजीनामा घेतला जाईल असे वाटत नाही. भाजपची महाराष्ट्रातच नव्हे तर उत्तर प्रदेशातही मोठी पिछेहाट झाली आहे. त्यामुळे भाजप स्वबळीवर सत्ता स्थापन करू शकलेला नाही. मित्रपक्षांना सोबत घेऊन नरेंद्र मोदी तिसऱ्यांदा पंतप्रधानपदावर विराजमान झाले आहेत. मंत्रीमंडळात शिंदे-पवार गटाला दुय्यम स्थान दिले गेले आहे. दलित मतांचे राजकारण करणाऱ्या रामदास आठवले यांच्याकडे एकही खासदार नसताना त्यांना पुन्हा एकदा राज्यमंत्रीपद दिले गेले आहे, तर महाराष्ट्रात भाजपखालोखाल ७ जागा जिंकणाऱ्या शिंदे गटाला फक्त एकच राज्यमंत्रीपद दिले गेले आहे.

किमान दोन कॅबिनेट आणि एक राज्यमंत्रीपद मिळवे, अशी शिंदे गटाची अपेक्षा होती, पण भाजपच्या केंद्रीय नेतृत्वाने त्यांची साफ निराशा केली आहे.

अजित पवार गटांने एक कॅबिनेट मंत्रीपद मागितले होते, पण तेही दिले नाही. निवडणूक निकालानंतर राष्ट्रवादीचे प्रफुल्ल पटेल गांना जप्त केलेली मालमत्ता परत करत क्लीन चिट दिली होती. त्यामुळे प्रफुल्ल पटेल यांची वर्षा लागेल अशी चर्चा होती. पवार गटातूनही त्यांचे नाव निश्चित करण्यात आले होते. मंत्रिमंडळ स्थापन होण्यापूर्वीच पटेल आणि फडणवीस दिल्लीत ठाण मांडून बसले होते.

त्यांचे नरेंद्र मोदी यांच्यासोबतचे छायाचित्रही प्रसिद्ध झाले होते. त्यामुळे पटेलच मंत्री होतील अशी अपेक्षा होती, तीही फोल ठरली आहे. पटेल यांना स्वतंत्र कार्यभार असलेले राज्यमंत्रीपद देऊ, असे भाजपच्या नेतृत्वाकडून सांगण्यात आले, पण आगामी मंत्रिमंडळ विस्तारात कॅबिनेट मंत्रीपद द्या, असा आग्रह धरत अजित पवार यांनी तूर्तास माधार घेतली आहे, पण एका पक्षासाठी निकष बदलता येणार नाहीत, असे सांगत देवेंद्र फडणवीस यांनी पवारांची मागणी पूर्ण होणार नाही, असे स्पष्ट शब्दांत सांगून टाकले आहे. रायगडमधून निवडणूक जिंकत सुनील तटकरे यांनी राष्ट्रवादीच्या आशा जिवंत ठेवल्या होत्या. त्यामुळे तटकरे समर्थकांमध्येही मंत्रीपद मिळेल अशी आशा होती, पण त्यांच्याऐवजी प्रफुल्ल पटेल यांचे नाव पुढे आल्याने तटकरे समर्थकांमध्येही नाराजी आहे. 'लोजपा'चे चिराग पार-िवान यांना कॅचिनेट तर अपना दलाच्या अनुप्रिया पटेल यांना राज्यमंत्रीपद मिळू शकते, तर ७ जागा जिंकणाऱ्या रिदि गटाची एका राज्यमंत्रीपदावर बोटवण केली जाते. अजित पवार यांना उंबरट्यावरही उभे राहू दिले नाही. या दोघांना भाजपने चांगलीच अहल घडवली आहे. हा सर्व घडामोडींवर भाष्य करताना खासदार श्रीरंग बारणे यांनी आपला उद्देग बोलून दाखवला. अजित पवार यांनी भाजपला साथ देण्यासाठी आपल्या घरातील लोकांशी वाईटपणा घेतला. निदान त्यांना तरी भाजपने न्याय द्यायला हवा होता, असे खासदार बारणे यांनी भाजपला सुनावले आहे.

यावरून शिंदे-पवार गटात भाजपबद्दल असलेली नाराजी लपून राहिलेली नाही. लोकसभा निवडणुकीत शिंदे व पवार गटाच्या ताकदीचा अंदाज भाजपला आला असून त्यांनी या दोघांना त्यांच्या जागा दाखवून दिल्या आहेत. स्वाभिमान गुंडाळून भाजपच्या नादी लागणाऱ्या शिंदे व पवार गटाची येत्या विधानसभा निवडणुकीतही चांगलीच फरफट होईल अशी चिन्हे दिसू लागली आहेत, ज्या मतदारसंघात दारुण पराभव झाला त्या मतदारसंघातील विधानसभेच्या जागा या दोन्ही गटांना नाकारण्यात देण्याची शक्यता आहे. या राजकीय घडामोडींमुळेच शिंदे-पवार गटातील आमदारांची अस्वस्थता वाढत आहे. हीच परिस्थिती राहिल्यास आगामी विधानसभा निवडणुकीत भाजपपुढे मोठे आव्हान उभे राहणार आहे.

पाण्याअभावी वन्यजीवांची शेत व गावशिवाराकडे कूच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पावसाळा लागूनही प्रत्यक्षात पावसाने हजेरी लावली नाही. त्यामुळे गावागावांत पाण्यासाठी धावाधाव असताना जंगलातही वन्यजीवांची तडफड होत आहे. नैसर्गिक स्रोत कोरडे पडल्याने केवळ कृत्रिम पाणवट्यावर तहान भागवावी लागत आहे. प्रशासनाकडून उपाय योजण्यात आल्याचे दावे होत असतानाच काही पाणवट्यांमध्ये पाणीच टाकले जात नसल्याचा वन्यजीवप्रेमींचा आरोप आहे. पाण्याच्या शोधात वन्यजीव गावाच्या दिशेने येत असल्याने मानव वन्यजीव संघर्ष, शिकारीच्या घटना वाढण्याचा धोका निर्माण झाला आहे. उन्हाळ्यात वन्यजीवांची तहान भागविण्यासाठी असलेले तलाव आटले असून कृत्रिम पाणवट्यात पाणीपुरवठा व्हावा, यासाठी हातपंप तयार केले आहेत. त्यापैकी काही हातपंप हे सौरऊर्जेवर चालणारे आहेत. तर काही पाणवट्यांमध्ये तीन टँकरच्या माध्यमातून पाण्याची सोय केली जात



असून वन्यप्राण्यांना पाण्यासाठी भटकवे लागत नसल्याचे वन्यजीव विभागाचे म्हणणे आहे. तलावांचा जिल्हा अशी ओळख असलेल्या जिल्ह्यातील सिंचन प्रकल्प आणि तलाव पूर्णपणे कोरडे पडले आहेत. परिणामी तलावांच्या जिल्ह्यातच यंदा पाण्याचा ठणठणाट निर्माण झाल्याने पाणीटंचाईची गंभीर समस्या निर्माण झाली आहे. जंगलातील वन्यप्राण्यांना पाण्यासाठी गावाकडे धाव घेण्याची वेळ आली आहे. पाण्याअभावी व उष्णतेच्या

दाहकतेमुळे वन्यप्राण्यांची होरपळ होत आहे. पाण्याच्या शोधात वन्यप्राणी गावाकडे धाव घेत असल्याचे चित्र आहे. वन्यप्राण्यांच्या शिकारीच्या घटनांमध्ये वाढ होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. जिल्ह्यात तलाव व जलाशयात पाण्याचा ठणठणाट आहे. जंगलालगतच्या तलाव व जलाशयावर वन्यप्राणी आपली तहान भागवितात. मात्र, त्यांना कोरड पडल्याने वन्यप्राण्यांची फरपट होत असल्याचे चित्र आहे. मे महिन्यातील प्रखर तापमानामुळे

उरलेसुरले पाणी आटले असून आणखी काही दिवस पाऊस न पडल्यास वन्यप्राण्यांसाठी हे दिवस परीक्षा घेणारी ठरू शकतात. जंगलातील स्रोत आटल्यामुळे प्राण्यांना आता पाणवट्यांवर विसंबून राहावे लागते आहे. लांबलेल्या पावसाचा परिणाम हा फक्त मानवी जीवनावरच नव्हे तर पशुपक्षी, वन्यप्राणी व जंगलावरही होऊ लागला आहे. त्यामुळे लवकर पाऊस न पडल्यास ही परिस्थिती बिकट होण्याचे संकेत आहेत.

कृत्रिम पाणवट्यावर वन्यप्राण्यांची भिस्त
नैसर्गिक जलस्रोत आटल्याने वन्यप्राण्यांच्या पाण्याची भिस्त ही कृत्रिम पाणवट्यांवर असते. त्यामुळे कृत्रिम पाणवट्यांमध्ये वेळेवेळी पाणी भरण्याची आवश्यकता आहे. काही भागातील कृत्रिम पाणवटे नियोजनाअभावी भरले जात नाहीत. त्यामुळे अशा पाणवट्यांकडे वनविभागाने लक्ष देण्याची गरज आहे. याशिवाय कृत्रिम पाणवट्यांवर वन्यप्राणी येत असल्याने अशा ठिकाणी कॅमेरे बसविण्याची गरज आहे.

पंतप्रधान मातृत्व वंदन योजनेच्या अनुदानापासून गरोदर लाभार्थी वंचित

तुमसर शहरातील प्रकार : गरोदर मातांची नोंदणी होऊनही योजनेचा लाभ नाही

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : गरोदर व अर्भक सुट्टे राहावा, या उद्देशाने शासनाने पंतप्रधान मातृत्व वंदन योजना सुरू केली आहे. परंतु, तुमसर शहर परिसरात मातांची नोंदणी होऊनही योजनेचा लाभ मिळाला नसल्याची बाब पुढे आली आहे. या योजनेचा तुमसर शहर परिसरात बोजवारा उडाल्याचे चित्र आहे. केंद्र सरकारच्या पंतप्रधान मातृत्व वंदन योजनेंतर्गत गरोदर लाभार्थी मातेला सहा हजारांचे अनुदान दिले जाते. अंगणवाडी, अनुमोदीत आरोग्य केंद्र, सुविधा केंद्रात नोंदणी केल्यावर गर्भधारणेच्या १५० दिवसांच्या आत प्रथम टप्पा म्हणून १ हजार रुपये लाभार्थी मातेच्या बँक खात्यात जमा केले जातात. दुसरा टप्पा सहा महिन्यांनंतर २ हजार



रुपये, तिसरा टप्पा बाळाच्या जन्माची नोंदणी केल्यावर २ हजार व प्रसूती सरकारी किंवा अनुदानित रुग्णालयात झाल्यास प्रोत्साहनपर १ हजार रुपये, असे एकूण ६ हजारांचे अनुदान दिले जाते. गरोदरांची नोंदणी अंगणवाडी केंद्र, आरोग्य उपकेंद्रात आरोग्यसेविका, आशा वर्कर यांच्या माध्यमातून केली जाते. तुमसर शहर हद्दीतील अंगणवाडी केंद्रातील सेविकांनी मातांचे नोंदणी फार्म व बँक खात्याची माहिती घेतली आहे. परंतु, चार महिन्यांनंतरही पात्र मातांच्या बँक खात्यावर एक

रुपयाही जमा न झाल्याने ते योजनेच्या लाभभाषासून वंचित आहेत. वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी याकडे गांभीर्याने लक्ष देऊन अनुदान लाभार्थीच्या नोंदणी झाल्यानंतर लाभार्थी मातांची यादी तयार करून वरिष्ठ कार्यालयाकडे पाठविण्यात येते. परंतु संबंधित कार्यालयाकडून अनेक लाभार्थी मातांच्या बँक खात्यात योजनेची रक्कम जमा झालेले नाही. रकमेसाठी लाभार्थी आशा वर्कर व परिचारिकांना नेहमी विचारपूस करीत असतात. रक्कम तातडीने मिळावी अशी मागणी आहे.

ग्रामपंचायत कर्मचाऱ्यांनो, 9 जुलैच्या मुंबई मोर्चात सहभागी व्हा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : शासनाच्या विविध व जनकल्याणकारी योजना राबविण्यात महत्त्वाची भूमिका बजावणारे ग्रामपंचायत कर्मचारी आज दारिद्र्य नारायणाचा अवतार म्हणून जगत आहेत. ग्रामपंचायत कामगारानो, आपल्या विविध मागण्यांच्या पूर्ततेसाठी भंडारा जिल्ह्यातील ग्रामपंचायत कामगारांनी १ जुलै रोजी मुंबईच्या आझाद मैदानावरून निघणाऱ्या मोर्चात सहभागी व्हावे असे आवाहन महाराष्ट्र राज्य ग्रामपंचायत कर्मचारी कामगार सेना (संलग्न भारतीय कामगार सेना) ५८२५ चे जिल्हा कार्याध्यक्ष रामलाल बिसेन सिहोरा यांनी १५ जून रोजी चांदपूर देवस्थान येथे झालेल्या ग्रामपंचायत कर्मचाऱ्यांच्या बैठकीतून केले आहे.

डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर यांच्या ग्रंथाची इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकार्ड मध्ये नोंद

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : झाडीबोली चळवळीचे प्रणेते डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर यांच्या मराठी अंत्याक्षरी शब्दकोश या ग्रंथाची नोंद जगातील सर्व असामान्य उपक्रमांचा संग्रह असलेल्या इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकार्ड मध्ये घेण्यात आलेली आहे. डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर यांनी कथा, कविता, नाटक, एकांकिका, संगीतका इत्यादी ललित साहित्यासोबतच भाषा, बोली, लोकसाहित्य, लोककला, कोश अशा ललितेतर प्रकारातही लेखन केले असून त्यांच्या एकूण ग्रंथांची संख्या १११ झालेली आहे. कोशवाचयतात त्याचे विशेष कार्य असून ह्युझाडीबोली मराठी शब्दकोशाह, ह्युझाडीपट्टीतील शब्दसाधकह, ह्युआध्यात्मिक कोशाह, ह्युकोहळी ग्रंथकारह असे ग्रंथ त्यांनी परिश्रमपूर्वक निर्माण केले आहेत. पण त्यात ह्युअंत्याक्षरी शब्दकोशाह हा पूर्णपणे वेगळा आहे. काहीतरी भिन्न स्वरूपाचे लेखन करण्याच्या शोधात असलेल्या बोरकरांनी हा शब्दकोश आद्याक्षरांच्या क्रमाने तयार न करता शब्दातील अंत्य अक्षराच्या क्रमाने रचला आहे. जगात प्रत्येक भाषेत अनेक शब्दकोश निर्माण झाले असले तरी ते सर्व त्या त्या भाषेतील शब्दांच्या आद्याक्षर क्रमाने रचले गेले आहेत. बोरकरांनी मात्र या पद्धतीचा त्याग करून एक नवीन उपक्रम प्रत्यक्षात आणला आहे. याकरिता त्यांना जे परिश्रम करावे लागले त्याचे वर्णन करणेदेखील अशक्य आहे. प्रथम सर्व शब्दांचे काई तयार करणे, त्यांना अंत्याक्षराच्या क्रमाणे लावणे यासाठी त्यांनी घेतलेले परिश्रम निश्चितच शब्दातित आहेत. पुणे येथील अनुबंध प्रकाशनचे अ. अ. कुलकर्णी यांनी हे पुस्तक प्रकाशित करण्याचे जे साहस दाखवले आहे तेदेखील निःसंशय दखलपात्र आहे. सन २००९ मध्ये प्रकाशित झालेला हा ह्युमराठी अंत्याक्षरी शब्दकोश ग्रंथह्यु असून आपल्या वयाच्या ६४ व्या वर्षी डॉ. बोरकरांनी घेतलेले परिश्रम तरूणाला देखील खाली मान घालायला लावणारे आहे.

पेंचचे पाणी सुटले, सुर नदी भरली दुथडी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : नगरवासीयांची तुष्णा भागविण्यासाठी पेंच धरणाचे पाणी उशीरा कां होईना आता सूर नदी पात्रात सोडण्यात आले असल्याने शहराची पाणी टंचाई दुर झाली असून सुर नदीत बंधारा बांधून पाणी अडविण्यात आल्याने नदी दुथडी भरली आहे. हे आह्लाददायक दृश्य येणाऱ्या जाणाऱ्यांचे लक्ष वेधून घेत आहे. सुर नदी कोरडी पडल्याने मोहाडी शहरात

मागील दोन ते तीन महिन्यापासून नळाला दोन दिवसा नंतर तेही योग्य पाणीपुरवठा होत नसल्याने पाणी टंचाई सट्टय परिस्थिती निर्माण झाली होती. मोहाडी शहरात विहिरी व हात पंपाला तसेच कुपनलीकेला खारट पाणी लागत असल्याने, येथील नागरीक पिण्याच्या पाण्यासाठी नळ्याच्या पाण्यावरच अवलंबून असतात. मोहाडीला पाणीपुरवठा करणारी सुर नदी एप्रिल महिन्यातच कोरडी ठन्न पडली होती. त्यामुळे पेंच धरणाचे

पाणी सूर नदीत सोडावे अशी मागणी अनेक नागरिकांनी दोन महिन्यापूर्वीच केली होती. मात्र येथील नगरपंचायत च्या पदाधिकाऱ्यांच्या ढिशाळपणामुळे पेंच धरणाचे पाणी या शनिवारला पोहचले. चांगला पावसाळा लागायला १५ दिवस शिल्लक आहेत. पुढील १५ ते २० दिवसांत नद्या, नाल्यांना पावसाचे पाणी येण्याची शक्यता आहे. लाखो रुपये पेंच प्रशासनाला भरून हे पाणी आणण्यात आले आहे.

मोटर सायकल स्विप होऊन मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : आठवडी बाजार करून काही साहित्य घेऊन जात असताना अचानक मोटरसायकल अनियंत्रित होऊन स्लीप झाल्याने अपघात घडला यात मोटरसायकल चालकाचा जागीच मृत्यू झाला ही घटना ११ जून मंगळवार ला सायंकाळी ६.०० वाजताच्या दरम्यान शहरातील पवनी पॉईंट येथे घडला तर रवींद्र वासुदेव बोरकर (४५) रा. लाखांदूर प्लॉट असे मृतक मोटरसायकल चालकाचे नाव आहे.

या घटनेची नोंद लाखांदूर पोलिसांनी अकस्मात मृत्यूची केली आहे. मृतक रवींद्र बोरकर हा मागील काही दिवसापासून गोल्डन बँडरेस्टॉरंट येथे मजूर म्हणून कामावर होता.

आनंदाने साजरी करण्यात आली बकरी ईद

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : बकरी ईद हा पर्व पवनी शहरात आज दि. १७ जुन २०२४ सोमवारला साजरा करण्यात आला. ह्या पर्वाला कुबानीचा त्योहार म्हणून साजरा करतात. ह्या दिवशी नमाज पढण्या नंतर बकऱ्यांची कुबानी करू सुरू होतात. पवनी शहरात जामा मस्जिदत बकरीद ईदची नमाज सकाळी ८ वाजता तर ईदगाह वर सकाळी ८ वाजून ३० मिनीटांने नमाज पढण्यात आली. नमाज पढण्या नंतर सगळे लोक एकमेकाशी गळे मिळून ईद उल अदह ची शुभेच्छा देतात. बकरीदला ईद उल अदहचे नावाने हि ओळखले जातात.



बरोबर बकरीद कींवा ईद उल अदहचा दिनांक नेमले जातात. ज्या दिवशी चंद्रमा दिसते त्याचे दहावे दिवशी कुबानीचा त्योहार बकरीद साजरा करण्यात येते. इस्लाम धर्मात बकरीदचा त्योहार सगळ्यात महत्वपूर्ण मानले जात आहे. इस्लामिक मान्यताचे नुसार बकरीदचे दिवशी अल्लाहचे पैगंबर हजरत इब्राहिमची परीक्षा घेण्या करीता त्यांचे पुत्र हजरत इस्माईलला अल्लाहचे मार्गवर कुर्बान कराचे सांगीतला. पैगंबर हजरत इब्राहिम ने अल्लाहचे मार्गवर पुत्रची कुबानी देण्याचा निश्चय करून आपले पुत्राला कुर्बान कराले निघाले होते परंतू अल्लाह ने त्यांचे पुत्राला वाचावले व त्याची ठीकाणी दुंबा

महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समितीचे राज्यत्यापी धरणे

जिल्हाधिकाऱ्यांना निवेदन : शिक्षकांना शिकवू द्या, विद्यार्थ्यांना शिकू द्या

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिती, शाखा भंडारातर्फे विद्यार्थी व शिक्षक हिताच्या समाजाभिमुख विविध प्रलंबित मागण्यांकडे लक्ष वेधण्यासाठी जिल्हाध्यक्ष श्रीधर काकिरवार यांच्या नेतृत्वात शनिवारी जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोर एक दिवसीय धरणे आंदोलन करण्यात आले.



शिक्षकांना शिकवू द्या, विद्यार्थ्यांना शिकू द्या, समाजाभिमुख आणि विद्यार्थी हिताच्या मागणीसाठी शासनाकडे सतत आर्जव करत असूनही शासन व स्थानिक यंत्रणा दुर्लक्ष करत आहेत. त्यामुळे या राज्यव्यापी धरणे आंदोलनात भंडारा जिल्ह्यातील २१ संघटनांनी सक्रिय सहभाग दर्शवून पाठिंबा दिला. या धरणे आंदोलनाला महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिती, भंडाराचे जिल्हा संपर्कप्रमुख मोहन पडोळे, रमेश सिंगनजुडे, धनंजय विरनवार, अनिल गयगये, शंभू घरडे, मुकुंद ठवकर, संतोष मडावी, दारसिंग कव्हाण, नरेश सातपुते, संजय आजबले, सुरेश कोरे, जीवनदास सावंत यांनी मार्गदर्शन केले. अचल

पाठिंबा
अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ, महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षक संघ, महाराष्ट्र राज्य पुरोगामी प्राथमिक शिक्षक समिती, महाराष्ट्र राज्य कास्ट्राईब कर्मचारी संघटना, महाराष्ट्र राज्य जुनी पेंशन शिक्षक संघटना, विदर्भ खासगी प्राथमिक शिक्षक संघटना, पदवीधर शिक्षक महासंघ, मुख्याध्यापक शिक्षक संघ भंडारा, जिल्हा परिषद माध्यमिक शिक्षक संघटना, महाराष्ट्र राज्य जिल्हा परिषद माध्यमिक शिक्षक संघटना, महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद, विदर्भ माध्यमिक शिक्षक संघ, शिक्षक भारती शिक्षक संघटना, कायम विनाअनुदानित शिक्षक संघटना, अपंग कर्मचारी ४ २

संघटना भंडारा, केंद्रप्रमुख संघटना, जनता शिक्षक संघ, राष्ट्रीय मुलनिवासी बहुजन कर्मचारी महासंघ, भंडारा जिल्हा माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळा शिक्षकेतर कर्मचारी संघ, भंडारा जिल्हा प्राथमिक शिक्षक सहकारी पतसंस्था भंडारा, जि. प. व शासकीय कर्मचारी सहकारी पतसंस्था भंडारा.

अशा आहेत मागण्या
राज्य शासनाने संचमान्यता आणि शिक्षक निर्धारण संबंधाने दि. १५ मार्च २०२४ रोजी निर्गत केलेला अन्यायकारक शासन निर्णय मागे घेण्यात यावा. या शैक्षणिक वर्षापासून लागू करण्यात येणारा शिक्षक ट्रेस कोडचा शासन निर्णय रद्द करावा. शाळेत कोणतीही सुविधा न देता शिक्षकांच्या खासगी मालकीच्या मोबाइलचा सर्रास वापर कार्यालयीन कामकाजासाठी करून ऑनलाईन कामाचा सर्वमिमा लावण्याला विरोध. अशैक्षणिक कामांसह शैक्षणिक गुणवत्तेच्या नावाखाली अनेकविध उपक्रमांचा भडीमार करून विद्यार्थ्यांसह शिक्षकांना त्रस्त करू नये.

चांदपूर जलाशयात १८ फूट पाणी साठवून काय साध्य केले ?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा) : सोंड्याटोला उपसा सिंचन प्रकल्पात जूनच्या पहिल्या आठवड्यापर्यंत निरंतर नदीच्या पात्रातून पाण्याचा उपसा करण्यात आला आहे. उजवा कालवा अंतर्गत अंतिम टप्प्यात पाणी वाटप केल्यानंतर जलाशयात १८ फूट पाणी शिल्लक आहे. हे पाणी शिल्लक ठेवून यंत्रणेने काय साध्य केले, असा सवाल उन्हाळी धान पीक लागवडीतून वंचित असणाऱ्या गावांनी केला आहे.

नियोजनाचा अभाव असल्याने ही गावे वंचित झाली आहेत. पुढील सत्रात पुन्हा वंचित राहण्याची शक्यता आहे. रोटेशन पद्धतीचा फटका पुन्हा वंचित गावांना बसणार आहे. यंदा रोटेशन पद्धतीने उजवा कालवा अंतर्गत उन्हाळी धान पिकांचे लागवडीसाठी गावांना चांदपूर जलाशयाचे पाणी वितरण करण्यात आले. पाणी वितरण करताना निर्णय घेण्यासाठी सिहोरा येथील पाटबंधारे विभागाच्या कार्यालयात बैठकीचे आयोजन करण्यात आले होते.

या बैठकीत उजवा कालवा अंतर्गत गावे निश्चित करण्यात आली होती. अखेरच्या टप्प्यात पाणी वाटप केले जात असल्याने जलाशयाच्या साठवणूक पाण्यावर



नियंत्रण ठेवले जात आहे. दरम्यान, उजवा कालवा अंतर्गत यंदा मुरली, सोनेगाव, बोरगाव, मच्छेरा, सिलेगाव आणि सिहोरा गावांच्या शेतशिवाराला उन्हाळी धान पिकांच्या लागवडीतून वगळण्यात आले आहे. एकाच कालव्यावरील गावे असताना जलाशयाचे पाणी सिंचनाला होणार नसल्याच्या

कारणावरून डच्चू देण्यात आला आहे. झरप्याच्या पाण्यावर मुरली गावच्या शेतकऱ्यांनी धानाची शेती केली. या गावातील शेतकऱ्यांचे करारनामे नव्हते. गावातूनच मुख्य उजवा कालवा गेला आहे. गावातून पाणी जात असताना मुरलीचे शेतकरी शांत बसणार नव्हते. यामुळे चढउतार अनुभवत त्यांनी धान पिकांची

लागवड केली आहे.

उजवा कालवा अंतर्गत समावेश

गावांना पाणी वितरण केल्यानंतर चांदपूर जलाशयात १८ फूट पाणी शिल्लक असल्याची माहिती मिळाली आहे. इतक्या पाण्याने ६ गावांचा अनुशेष भरून काढण्यात आला असता, असे सांगितले जाते. जलाशयात पाणी शिल्लक असल्याने ही किमया सोंड्याटोला उपसा सिंचन प्रकल्पाने केली आहे.

रोटेशन पद्धतीला ब्रेक लावा

बावनथडी नदीवरील सोंड्याटोला उपसा सिंचन प्रकल्प वपारतील ८ महिने चांदपूर जलाशयात निरंतर पाण्याचा उपसा करीत आहे. जलाशयाचे पाणी वितरण सुरु असताना प्रकल्पातून पाण्याचा उपसा सुरुच ठेवण्यात येत आहे. नदीच्या पात्रात पाण्याची पातळी कमी झाल्यास राजीव सागर धरणातून पाणी मार्गविण्यात येऊ शकते. शेतकऱ्यांच्या हितासाठी सकारात्मक निर्णय घेतले जात नाही. डावा आणि उजवा कालवा अंतर्गत उन्हाळी धान पिकांचे लागवडीसाठी पुरेले इतके पाणी जलाशयात शिल्लक राहत आहे; परंतु नियोजन मात्र रोटेशन पद्धतीने केले जात आहे. या पद्धतीला ब्रेक लावण्याची मागणी होत आहे.

राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारी सहित २ ने ट्रांसपोर्टर से मांगी रंगदारी

कपिलनगर थाने में दर्ज शिकायत दर्ज...



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

नागपुर : 'मुझे सीपी ने आर्डर दिया है गाड़ियां पकड़ने का, गाड़ियां लगाने का' कहते हुए ट्रांसपोर्टर से रंगदारी मांगने के आरोप में कपिलनगर पुलिस ने एक राजनीतिक दल के पदाधिकारी सहित २ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्लाट नं. १५०, खसाला नाका नं. २ निवासी ट्रांसपोर्टर तथा मोरया ट्रेडर्स (बिल्डिंग



मटेरियल सप्लायर) निखिल विनायक गभणे की शिकायत पर कपिलनगर पुलिस ने प्लाट नं. ४१, सम्यकनगर नारी रोड निवासी प्रणय आनंदराव जांबुलकर तथा प्लाट नं. ५, सन्यालनगर निवासी प्रशांत उर्फ मुन्ना जमुनाप्रसाद मिश्रा के खिलाफ भारद्वाज की धारा ३८५ तथा ५०६ के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जाता है कि प्रणय जांबुलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार का पदाधिकारी है।

अखेर २१ तासांनंतर सापडला निखिलचा मृतदेह

एक किलोमीटर अंतरावर डोहात घेतला शोध

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : साकोली तालुक्यातील बापेवाडा गावाहून भंडारा येऊन येथील कारधा पुलावरून वैनगणेत आत्महत्या करणाऱ्या निखिल अशोक चिरवतकर या २३ वर्षीय तरुणाचा मृतदेह अखेर २१ तासांनंतर सोमवारी दुपारी वैनगणेच्या सापडमध्ये सापडला. ज्या कारधा पुलावरून त्याने नदीत उडी घेतली होती, त्या ठिकाणापासून जवळपास एक किलोमीटर पुढे एका डोहात त्याचा मृतदेह तळशी बुडालेल्या स्थितीत होता.

आत्महत्येची ही घटना रविवारी दुपारी अडीच वाजताच्या सुमारास घडली. घटनेची माहिती मिळताच परिवारातील तसेच पोलिस



प्रशासनातील लोक घटनास्थळी दाखल झाले. रविवारी सायंकाळी उशिरापर्यंत निखिलचा मृतदेह गोताखोरांच्या मदतीने शोधण्यात

आला होता. परंतु संध्याकाळ झाल्याने शोधकार्य थांबविण्यात आले. सोमवारी सकाळी ९च्या सुमारास पुन्हा शोध कार्य

सुरु झाले असता सकाळी ११ वाजताच्या सुमारास वैनगंगा नदीच्या कारधा पात्रात निखिलचा मृतदेह आढळला.

गोताखोरांच्या मदतीने मृतदेह बाहेर काढून शवविच्छेदनासाठी येथील जिल्हा सामान्य रुग्णालयात पाठवण्यात आले. त्यानंतर मृतदेह परिवारातील लोकांना सुपूर्त करण्यात आला. सोमवारी सायंकाळीच्या सुमारास बाप्पेवाड येथील स्मशानभूमीत मृतदेहावर अंत्यसंस्कार करण्यात आले. त्याच्यामागे आई- वडील, मोठा भाऊ, एक बहीण असून, मोठा आप्तपरिवार आहे. घरातील तरुण मुलगा असा एकाकी सोडून त्याच्यामागे आई- वडील, मोठा भाऊ, एक बहीण असून, मोठा आप्तपरिवार आहे. घरातील तरुण मुलगा असा एकाकी सोडून त्याच्यामागे आई- वडील, मोठा भाऊ, एक बहीण असून, मोठा आप्तपरिवार आहे. घरातील तरुण मुलगा असा एकाकी सोडून त्याच्यामागे आई- वडील, मोठा भाऊ, एक बहीण असून, मोठा आप्तपरिवार आहे. घरातील तरुण मुलगा असा एकाकी सोडून त्याच्यामागे आई- वडील, मोठा भाऊ, एक बहीण असून, मोठा आप्तपरिवार आहे.

घराला कुलूप लावून दरवाजा लागत चावी ठेवणे पडले महागात

६७ हजार ४२५ रुपयांच्या सोन्याच्या दागिन्यांची भर दुपारी चोरी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : सकाळच्या सुमारास आपल्या घराला कुलूप लावून शेतीकामासाठी शेतात गेलेला एका कुटुंबातील घराचे कुलूप उघडून अज्ञात चोरट्यांनी सोन्याच्या दागिन्यांसह डू रोख रक्कम असा एकूण ६७ हजार ४२५ रुपयांचा मुद्देमाल चोरून नेल्याची घटना घडली. ही घटना १६ जून रोजी दुपारी ३ वाजताच्या सुमारास - तालुक्यातील आधली येथे घडली आहे. चुन्नीलाल बिसेन ठाकरे (वय ५०) यांच्या तक्रारीवरून लाखांदूर पोलिसांनी अज्ञात आरोपी विरोधात - चोरीचा

गुन्हा दाखल केला. पोलिस सूत्रानुसार, घटनेच्या दिवशी सकाळच्या सुमारास चुन्नीलाल यांच्यासह अन्य कुटुंबीय शेतावर धान पन्हाच्या लागवडीसाठी गेले होते. शेतावर जाण्यापूर्वी दाराला कुलूप लावून चावी दरवाजाला लागूनच ठेवली होती. दरम्यान, घरी कोणीही नसल्याचा गैरफायदा उचलून अज्ञात चोरट्यांनी घरात प्रवेश केला. घरात ठेवलेल्या अलमारीतील सोन्याचे विविध दागिने व नगदी ५०० रुपये असा एकूण ६७ हजार ४२५ रुपयांचा मुद्देमाल चोरून नेला, नंतर दाराला कुलूप लावून पसार झाले.

दरम्यान, दुपारच्या सुमारास घरी परतलेल्या कुटुंबीयांना काम पडल्याने घरातील आलमारीत ठेवलेल्या रकमेपैकी ५०० रुपये काढण्यासाठी गेले असता ठेवलेले सोन्याचे दागिने व रक्कम आढळून आली नाही. यावरून चोरी झाल्याचे उघडकीस आले. या प्रकरणी त्यांनी लाखांदूर पोलिस ठाणे गाठून अज्ञात चोरट्यांविरुधात चोरीची तक्रार दिली. तक्रारीवरून पोलिसांनी पंचनामा करून अज्ञात चोरट्या विरोधात चोरीचा गुन्हा दाखल केला. या घटनेचा तपास ठाणेदार सचिन पवार यांच्या मार्गदर्शनात सुरु आहे.

९७ ग्रामपंचायतीपैकी ८२ ग्रामपंचायतीत ३४१ कामे सुरु

एमआरईजीएस अंतर्गत १५९६९ अकुशल मजुरांना रोजगार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : स्थानिकांना गावातच रोजगार लोकमत न्यूज नेटवर्क मिळवायला याकरिता महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना, तसेच महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार हमी योजना अंतर्गत प्रत्येक ग्रामपंचायतीत कामे उन्हाळ्यात सुरु करण्यात येतात. त्या अंतर्गत तुमसर तालुक्यात १७ ग्रामपंचायतीत ८२ कामे सुरु असून, त्यात एकूण अकुशल मजूर म्हणून १५९६९ मजुरांना रोजगार प्राप्त झाला आहे.

तुमसर तालुका भंडारा जिल्ह्यात क्रमांक दोनचा तालुका आहे. येथे एकूण ९७ ग्रामपंचायतींचा समावेश आहे. तुमसर पंचायत समिती अंतर्गत हे

ग्रामपंचायतमध्ये विविध विकासकामांचा आराखडा तयार करण्यात आला होता. त्यात ग्रामपंचायतीनेही सहभाग नोंदविला. सध्या ३४१ कुशल व अकुशल कामे सुरु आहेत. त्यात १५ हजार ९६९ अकुशल मजुरांच्या हाताला काम मिळाले आहे.

सर्वांत अधिक मजूर गरा बघेडा येथे ८०९ मजुरांची नोंद करण्यात आली असून, खापा



येथे ६०९ मजुरांच्या हाताला काम मिळाले आहे. काही ग्रामपंचायतीने यामध्ये हिरिरीने सहभाग नोंदवून गावातील अकुशल मजुरांना मोठ्या प्रमाणात कामे देण्यात आली आहे, तर काही ग्रामपंचायतीत कामाबाबत उदासीनता दिसून येत आहे.

... तर बाराही महिने काम देणे शक्य

ग्रामीण भागात शेती मशागतीकरिता एमआरजीएस अंतर्गत अकुशल मजुरांना वषातून निदान आठ महिने रोजगार उपलब्ध करून देण्यासाठी नियोजन आखण्याची गरज आहे. सुमारे तीन ते चार महिनेच रोजगार

हमीची कामे प्रशासन उपलब्ध करून देते. त्यामुळे आठ महिने अकुशल कामगारांना उदरनिर्वाहकरिता भटकंती करावी लागते. शेती शेती मशागतीची कामे या माध्यमातून करण्याची तरतूद झाली तर गावातील मजुरांना कामासाठी भटकावे लागणार नाही.

गावातील मजुरांचे पलायन थांबविण्याकरिता एमआरजीएस अंतर्गत शेती मशागतीची कामे उपलब्ध करून दिल्यास ग्रामीण परिसर हा सुजलाम सुफलाम होईल. त्याकरिता लोकप्रतिनिधींनी प्रयत्न करावे. ग्रामीण भागाची अर्थव्यवस्था शेतीवर अवलंबून आहे. ग्रामीण भागातील लमजुर मजुरांचे पलायन थांबविण्याकरिता शेती शिजवलेली मशागतीचे कामे रोजगार हमी अंतर्गत दिल्यास मजूर वर्ग गावातच राहून आपला उदरनिर्वाह करू शकतो. शेतीच्या मशागतीची कामे रोजगार हमी योजनेत समाविष्ट केल्यास ग्रामीण अर्थव्यवस्था बळकट होऊन शेतकरी व अकुशल कामगारांना बाराही महिने काम मिळू शकते. त्याकरिता लोकप्रतिनिधींनी दखल घेण्याची गरज आहे.

मतदारांची कामे करा, प्रभागातील समस्या सोडवा

लाखनीतील आढावा बैठकीत नाना पटोलेचे आवाहन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : तोंडावर विधानसभा निवडणुका आहेत. लोकसभा निवडणुकीत उमेदवार जिंकला म्हणून आता निश्चित होऊन बसू नका. प्रभागात, गावागावांत फिरा, मतदारांची कामे करा, प्रभागातील समस्या सोडवा आणि बूथ मजबूत करा, असा सल्ला काँग्रेसचे प्रदेशाध्यक्ष आमदार नाना पटोले यांनी कार्यकर्त्यांनी लाखनीतील तालुका बैठकीत दिला.

प्रदेश काँग्रेस अध्यक्ष आमदार नाना पटोले यांनी रविवारी लाखनी तालुक्यातील कार्यकर्त्यांची बुधनिहाय बैठक घेऊन आढावा जाणून घेतला. शासकीय विश्रामगृहात त्यांच्या अध्यक्षतेखाली ही बैठक झाली. यावेळी खासदार डॉ. प्रशांत पडोळे, माजी राज्यमंत्री सतीश चतुर्वेदी, समाजकल्याण सभापती मदन रामटेके, महिला



व बालविकास सभापती स्वाती वाघाये, डॉक्टर सेल जिल्हाध्यक्ष चंद्रकांत निंबार्ते आदी प्रामुख्याने उपस्थित होते.

या बैठकीत लोकसभा निवडणुकीत ग्रामीण भागातील बूथ व शहरी भागातील प्रभागानुसार मिळालेल्या मतांच्या टक्केवारीचा आढावा घेण्यात आला. आगामी विधानसभा निवडणुकीत

आपण कमी पडणार नाही याचा अभ्यास करावा, प्रभागातील लोकना भेटून त्यांच्या समस्या जाणून घेऊन समस्यांचे निराकरणे काम करायला सुरुवात करा. काँग्रेस पक्षाची ध्येय धोरणे जनतेला पटवून द्या, जनतेमध्ये जास्तीत जास्त जनसंपर्क वाढवा, अशा सूचना यावेळी नाना पटोले यांनी दिल्या.

यावेळी जिल्हा काँग्रेस

कमिटीचे उपाध्यक्ष शफी लद्दानी, प्रदेश प्रतिनिधी आकाश कोरे, मजूर कामगार सोसायटीचे अध्यक्ष भरत खंडाईत, पंचायत समिती सभापती प्रणाली सावंत तालुका काँग्रेस अध्यक्ष योगराज झलके, तालुका महिला काँग्रेस अध्यक्ष पुष्पा डुभरे, शहर काँग्रेस अध्यक्ष मोहन निर्वान, शहर महिला काँग्रेस अध्यक्ष कल्याणी भिवगडे, तालुका युवक काँग्रेस अध्यक्ष यशवंत खेडीकर, शहर युवक काँग्रेस अध्यक्ष विपुल कांबळे, जिल्हा परिषद सदस्य डॉ. मनीषा निंबार्ते, विद्या कुंभरे, पंचायत समिती सदस्य मनीषा हलमारे, विकास वासनिक, सुनील बाते यांच्यासह काँग्रेसच्या विविध सेलचे पदाधिकारी, महिला पदाधिकारी, काँग्रेस कार्यकर्ते, ग्रामीण व शहरी बूथ व प्रभाग पदाधिकारी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

लाखनीत गुणवंत विद्यार्थ्यांचा सत्कार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : निर्धनराव वाघाये पाटील चॅरिटेबल ट्रस्ट व लक्ष्मी शिक्षण संस्था केलवाडा (वाघ) यांच्या संयुक्त सहकार्याने बावणे कुणबी समाज सभागृह येथे गुणवंत विद्यार्थ्यांचा सत्कार व रक्तदान शिबिराचे आयोजन करण्यात आले.

कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी माजी आमदार सेवक वाघाये उपस्थित होते. अतिथी म्हणून लक्ष्मी शिक्षण संस्थेच्या अध्यक्ष सरजी वाघाये, जिल्हा परिषद माजी सदस्य उमराव आठोडे, प्रदीप बुरडे, बाजार समितीचे संचालक सुरेश कापगते, चुन्नीलाल बोरकर, मार्कंड भंडारकर, डॉ. चंद्रकांत निंबार्ते, लवकुश निर्वान, श्रीकांत भुसारी, अनिल डोंगरवार, पंचायत समिती सदस्य मनीषा हलमारे, दिनेश वासनिक, जि. प. सदस्य सुमिला पटले, रूपलता जांबुलकर,



प्राचार्य विलास वाघाये प्राचार्य सुधीर कुकडे, जि. प. सभापती स्वाती वाघाये, सरपंच सचिन बागडे, नरेंद्र वाघाये आदी उपस्थित होते. याप्रसंगी सीआयआयएचओ रक्तपेढी नागपूरतर्फे डॉ. जयश्री उरकुडे, मेधा भिवणकर यांच्या सहकार्याने २० रक्तदात्यांनी रक्तदान केले. साकोली विधानसभा क्षेत्रातील लाखनी, साकोली, लाखांदूर तालुक्यातील १० वी व १२ वी च्या

११ गुणवंत विद्यार्थ्यांचा प्रमाणपत्र व भेटवस्तू देऊन गौरव करण्यात आले. यावेळी सेवक वाघाये यांनी आपले सामाजिक कार्य निरंतर सुरु राहणार असून जीवनात चढउताराचे प्रसंग येत असतात. परंतु आम्ही नेहमी जनतेच्या पाठीशी राहणार असल्याचे वाघाये यांनी सांगितले. कार्यक्रमाचे संचालन दर्याव खंडारे यांनी केले. आभार राजेश खेडीकर यांनी मानले.

अशैक्षणिक कामांमुळे दम घोटला, वर्गात पोरांना शिकवणार काय?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : वर्षभरातील सण-समारंभ, उपक्रम, शाळाबाह्य कामे आणि शंभरावर रजिस्टरमध्ये नोंदी करणे अनिवार्य असून, हे सर्व करताना विद्यार्थ्यांच्या गुणवत्तेवर परिणाम होतो. यामुळेच नवीन शैक्षणिक कामे बंद करण्याची मागणी शिक्षकांसह पालकांमधून होत आहे.

जिल्हा परिषद शाळांतील शिक्षकांना वर्षभर विविध अशैक्षणिक कामे करावी लागतात. यामुळे गुणवत्तेवर परिणाम होत असतो. यात शाळा व्यवस्थापन समिती, शिक्षक त्याचे पालक संघ, माता पालक संघ, शालेय परिवहन समिती, शालेय पोषण आहार समिती, गुणवत्ता सैनियंत्रण समिती अशा वेगवेगळ्या दहाहून अधिक समित्यांच्या महिनावार बैठका होतात, इतिवृत्त लिहावे लागते. वेगवेगळे विशेष दिवस, सप्ताह, पंधरवडे, महिने



साजरे करून उपक्रमांचे फोटो काढणे, इतिवृत्त तांदूळ, तिखट, मोहरी व किती जिरे आदी माहिती भरणे, ऑनलाइन नोंदी रोजच्या रोज करणे, धोकादायक शाळाखोली दुरुस्ती व प्रस्ताव फोटोसह तयार करणे, शैक्षणिक उठावासाठी गावभर फिरणे,

शाळेत भौतिक सोयी-सुविधा निर्माण करणे, शाळासिद्धी प्रशिक्षण घेणे, झाडे लावा, त्यासाठी गावफेरी काढणे, सर्व मुलांची वजन व उंची घेऊन रजिस्टर भरणे, शाळेत रिक्कामी पोते गोळा करून हिशेब ठेवणे, इंग्रजी व खासगी शाळांतून आलेल्या मुलांची

माहिती गोळा करून स्वतंत्र अहवाल देणे, ग्रामस्वच्छता अभियान राबवणे, किशोरवयीन मुला-मुलींसाठी कार्यशाळा घेणे, अशा रेकॉर्डमुळे गुरुजी मेटाकुटीस येतात.

गुरुजींना हेही करावे लागते

गुरुजींनी एवढे करून साधारण पंचवीसपेक्षा अधिक रजिस्टर वर्षभर लिहायचे असतात. बँकेचे सगळे व्यवहार बघायचे असतात. रोज खतावणी लिहिणे, गाव ते तालुक्यात वेगवेगळ्या बैठका, प्रशिक्षण इतर इव्हेंट्स करायचे असतात. तंबाखूमुक्त शाळा, त्याचे रेकॉर्ड, डिजिटल बोर्ड करणे, प्रभातफेरी काढून गावात दवडी देणे, तसेच निवडणुकांमध्ये निवडणूक अधिकारी होणे, वर्षभर बीएलओ म्हणून घरोघरी फिरून नवीन मतदार नोंदवणे, हात धुवा दिन, जंतनाशक गोळ्यांचा वाटप त्यासाठी प्रशिक्षण घेणे आदी अशैक्षणिक कामे गुरुजींना पार पाडावी लागतात.

1 को बजेगी स्कूल की पहली घंटी

नये सत्र के लिए शिक्षा विभाग तैयार, प्रवेश के दिन होगा स्वागत

रेत तस्करी करते ट्रैक्टर पकड़ा

गवराला-डांभेविरली मार्ग की घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखादूर : स्थानीय बैनगंगा नदी घाट से बीच रात के दौरान रेत को अवैध रूप से निकासी कर परिवहन करते ट्रैक्टर पकड़ा गया है. उक्त कार्रवाई विगत 16 जून को रात 1:30 बजे के दौरान तहसील के गावराला-डांभेविरली मार्ग पर लाखादूर के पुलिस कर्मियों ने की है. इस घटना में पुलिस ने गवराला निवासी संदीप आनंदराव राउत (33) नामक ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कुल 5.03 लाख रुपयों का माल जब्त किया गया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के दिन रात के दौरान लाखादूर थाने के कुछ पुलिस कर्मी

तहसील के गवराला गांव परिसर में गश्त पर गए थे. इस दौरान गवराला के बैनगंगा नदी घाट से रेत की अवैध निकासी कर परिवहन करते न्यू हॉलैंड कंपनी का बिना क्रमांक का ट्रैक्टर बीच सड़क पर देखा गया. हालांकि बीच रात के दौरान सड़क पर रेत से लदा ट्रैक्टर नजर आते ही गश्त के पुलिस कर्मियों ने ट्रैक्टर चालक से रेत परिवहन की रायल्टी मांगी. इस दौरान ट्रैक्टर चालक ने रेत परिवहन की रायल्टी नहीं होने की जानकारी दी. हालांकि बिना रायल्टी के रात के दौरान रेत तस्करी का मामला उजागर होने पर पुलिस कर्मियों ने पंचनामा एवं मामला दर्ज.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : गर्मी की छुट्टियों के बाद विदर्भ में स्कूल की पहली घंटी 1 जुलाई को बनेगी. इसलिए, भंडारा जिले में भी नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा और इस उद्देश्य से जिला शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है. अभी 13 दिन शेष हैं और योजना की समीक्षा की जा रही है. जिला परिषद के स्कूलों और कक्षाओं की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया जा रहा है. पहले दिन सभी स्कूल विद्यार्थियों का प्रवेशोत्सव मनाएंगे, पहले दिन छात्रों को पाठ्यपुस्तकें और मिठाइयां दी जाएंगी.

स्कूल शुरू होने से पहले शिक्षा विभाग की ओर से मुख्याध्यापकों को कई निर्देश दिये गये हैं, छात्रों के स्वागत के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई जानी है. शत-प्रतिशत विद्यार्थी



उपस्थिति, विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किया जायेगा. जिले के जप और स्थानीय स्वराज्य संस्था की सभी प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न कार्य

चल रहे हैं. विद्यालय में पात्र विद्यार्थियों का प्रवेश निश्चित हो गया है, विद्यालय को गुब्बारों एवं रंगोली से सजाया जाएगा तथा डोल नगाड़ों की ध्वनि

के साथ बच्चों एवं अभिभावकों का गुलाब का फूल देकर स्वागत किया जाएगा.

पहले ही दिन मिलेंगी किताबें

शिक्षा विभाग ने समय शिक्षा अभियान के तहत पहले दिन छात्रों के हाथों में पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने की योजना बनाई है. इस सत्र में 87,894 विद्यार्थियों के लिए आवश्यक 3 लाख 66 हजार 12 पुस्तकों का स्टॉक तहसील स्तर पर पहुंच चुका है. इस बीच स्कूल के दिन उन्हें यूनिफॉर्म मिलेगी या नहीं, इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. जिले में सभी वर्ग के 61 हजार 353 विद्यार्थी गणवेश के पात्र हैं. हालांकि, महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा सिली गई पोशाक विद्यार्थियों को दिया जाएगा और कार्यालय में देरी के कारण योजना के बाधित होने के संकेत हैं.

बोलता है भंडारा....

डॉक्टर बना खासदार

इस बार के चुनाव में काटे की टक्कर रही थी, कभी भाजपा आगे तो कभी कांग्रेस आगे थी, अंत में डॉक्टर प्रशांत पडोले ने बाजी मारी।



- खुशी कावळे

इस बार बदलाव तय था, और वह कांग्रेस ने कर के दिखाया। और अब कांग्रेस अपने शहर का विकास जरूर करेगी, ऐसी बाते हो रही है। अब इस बार तो भी विकास करने का प्रयास होना चाहिए।



- मोनु खान

भाजपा को अच्छी टक्कर मिली मात्र आखिर में कांग्रेस का विजय हुआ, अब नए खासदार क्या विकास करते है वह देखने की बात है। अब तक विकास की बाते हो रही थी। अब नई सरकार आने के बाद विकास होना तय है।



-जयेश तलमले

डॉक्टर प्रशांत पडोले से आशा करते है की वे भंडारा गोंदिया जिले का विकास करेगे. क्योंकि सभी जिलावासियों ने उनको चुनके लाने मे सहकार्य किया है। और उम्मीद से उनके चुनके लाया है की वे अपने जिले का विकास करे।



-निशीकांत निंबार्ते

बोलता है भंडारा मे आपको प्रतिक्रिया देना है तो इस ७७०९९५२२७२ व्हॉट्स अप नंबर पे भेजे !

संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

भंडारा-गोंदिया जिले में साप्ताहिक आवाज भंडारा न्युज पेपर के लिए तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र में संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है। संवाददाता के लिए किसी भी विषय में डिग्री पास होना अनिवार्य है।

: संपर्क करे :

शमशेर खान, मुख्य संपादक,
साप्ताहिक आवाज भंडारा
मो. ९४२२१७९३६९, ७९७२७९६५५

जुए अड़े पर पुलिस का छापा



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोबरवाही : समीपस्थ चिचोली ग्राम में तुमसर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक जुए के अड़े पर छापा मारा और जुआरियों के कब्जे से 1,640 रुपये जब्त किए. इस मामले में आरोपी

चिचोली निवासी राजेश ठाकरे, पवनारा निवासी अमित मेश्राम, रीतेश पटले के खिलाफ तुमसर पुलिस में महाराष्ट्र जुआ बंदी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. तुमसर पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है.

अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को पकड़ा

पोहरा-धाबेटेकडी मार्ग पर घटना, पुलिस में मामला दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : बिना रायल्टी के ट्रैक्टर-ट्रॉली से रेत का अवैध परिवहन करते वक्त लाखनी पुलिस ने ट्रैक्टर की पकड़ा और चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर 9 लाख 3 हजार रुपये का माल जब्त कर लिया.

घटना शनिवार 15 जून सुबह 9.45 बजे के बीच हुई. आरोपी चालक का नाम सानगढ़ी निवासी देवेंद्र चंद्रशेखर कांबले (24) एवं मालक का नाम सासरा, तहसील साकोली निवासी अजय दिलीप रुखमोडे (35) है. पोहरा बीट में रेत के अवैध परिवहन की जानकारी उपविभागीय पुलिस पदाधिकारी सुशांत सिंह को देकर कार्रवाई



करें. इस सूचना के बाद पुलिस हवलदार सुरेश सिडाम, पुलिस अंमलदार श्रीकांत वाघाये, चालक पुलिस कांस्टेबल राजेश पटले गश्त कर रहे थे, तभी धाबेटेकडी से पोहरा मार्ग पर गायधने के खेत के पास अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर दिखाई दिया. उसे पकड़ कर चालक को रायल्टी के बारे में पूछा तो उसने कहा कि नहीं है. पुलिस निरीक्षक नरेंद्र निस्वादे के मार्गदर्शन में पुलिस हवलदार सुभाष राठोड जांच कर रहे हैं.

मकान से 67,425 रुपयों के सोने के गहनों की चोरी, आथली गांव की घटना, पुलिस में मामला दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखादूर : सुबह के दौरान निवासी मकान में ताला लगाकर खेती काम के लिए गए परिवार के मकान का ताला खोलकर अज्ञातों ने सोने के गहने एवं नकद राशि सहित कुल 67,425 रुपयों के माल की चोरी करने की घटना सामने आयी हैं. उक्त घटना विगत 16 जून को दोपहर 3 बजे के दौरान तहसील के आथली गांव में सामने आयी हैं.

इस घटना में आथली निवासी चुन्नीलाल बिसेन ठाकरे (50) नामक पीड़ित व्यक्ति के शिकायत पर पुलिस ने अज्ञातों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के दिन सुबह के दौरान पीड़ित व्यक्ति



सहित परिजन मालिकी खेत पर धान नर्सरी के बुआई के लिए गए थे.

हालांकि खेत पर जाने से पूर्व पीड़ित व्यक्ति ने स्वयं के निवासी मकान में ताला लगाया था. जबकि ताले की चाबी निवासी मकान के दरवाजे से लगकर रखी थी. इस बीच निवासी मकान में परिजन नहीं

होने का लाभ उठाकर अज्ञात चोर निवासी मकान में घुस गए. इस दौरान अज्ञात चोरों ने निवासी मकान के दरवाजे का ताला खोलकर मकान के अंदर रखे अलमारी से सोने विभिन्न गहने एवं नकद 500 रुपयों सहित कुल 67,425 रुपयों का माल चोरी कर दरवाजे में ताला लगाकर फरार हुए.

इस बीच दोपहर के दौरान घर वापस आए परिजनों ने कुछ घंटों बाद अलमारी में रखे नकद 500 रुपए निकालने जाने पर अलमारी में रखे सोने गहने एवं नकद 500 रुपए नजर नहीं आए.

इस दौरान अज्ञातों ने निवासी मकान के अलमारी से सोने के विभिन्न गहने एवं नकद 500 रुपयों सहित कुल 67,425 रुपयों के माल के चोरी मामले में अज्ञातों के खिलाफ लाखादूर पुलिस में शिकायत की. शिकायत के आधार पर पुलिस ने पंचनामा कर अज्ञातों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है. इस मामले की आगे की जांच थानेदार सचिन पवार के मार्गदर्शन में शुरू की गई है.

अंबागढ़ की अतिक्रमिता जमीन किसकी?

राजस्व और वन विभाग का दावा जमीन उनकी नहीं..

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर आसील के अंबागढ़ सादरा के बंपेड़ा में नहर के पास 0.62 हेक्टेयर भूमि पर एक व्यक्ति ने पिछले छह-सात वर्षों से अतिक्रमण कर रखा है। लेकिन राजस्व व वन विभाग अब तक यह स्पष्ट नहीं कर सका कि उक्त जमीन किसकी है. दोनों विभागों ने रिपोर्ट दी है कि यह जमीन हमारी नहीं है. इसलिए यहां सरकारी जमीन के दस्तावेज अपडेट होने का दावा गलत है.



अन्य भूमि वन विभाग की है. इस समूह की 0.62 हेक्टेयर भूमि वन विभाग की नहीं है, इसकी रिपोर्ट नाकाडोंगरी वन परिक्षेत्र अधिकारी ने जिला वन संरक्षक को दी है. इस संबंध में नाकाडोंगरी वनपरिक्षेत्र ने भू-अभिलेख कार्यालय से दस्तावेज टीएलआर निकालकर जांच की.

वन विभाग के सर्वेयर और उनकी के बाद जमीन की सीमाएं तय भंडारा में सर्वेक्षक ने

किया कि यह जमीन व विभाग की नहीं है. नाकाडोंगरी वन क्षेत्र के अधिकारियों ने रिपोर्ट में नोट किया है. इससे जटिलता बढ़ गई है. अतिक्रमणका कोई सबूत मिले. इसके लिए उस जगह पर कूड़ा-कचरा और फसल के ही में आग लगा दी गई. यह दिखाने के लिए किया गया है कि इस जमीन पर किसी ने कब्जा नहीं किया है. यह पूरा प्रकार बेहद गंभीर माना जाता है

सकारात्मक दृष्टिकोण से ही जिले का विकास

विधायक भोंडेकर का प्रतिपादन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विश्वयोग दिन अंतर्गत योग प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन विधायक नरेंद्र भोंडेकर के हाथों किया गया. उन्होंने कहा कि भंडारा शहर में बड़े पैमाने पर खांब तलाव, सागर तलाव, गोखले उद्यान, हुतात्मा स्मारक गार्डन सौंदर्यकरण के काम तथा नालिया, सिवरेज, जलसिंचन आदि के विकास काम करोड़ों की निधि से शुरू है. सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर विकास कार्य किए जाएं जा रहे रहे हैं.



नागपुर शहर की तरह भंडारा शहर भी अपनी एक अलग पहचान बना सकेगा. कार्यक्रम के अध्यक्ष नरेंद्र व्यवहारे, प्रमुख अतिथि ईश्वरलाल काबरा, ईंदिरा काबरा, उद्योजक अभय (बाल्या) भागवत, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ रमेश खोबरागडे, महादेव बांगडकर, सदानंद इलमे, मो सईद शेख उपस्थित थे. नए योगशेड का रिबन काटकर अतिथियों ने उद्घाटन किया. शाम कुकड़े ने अपने प्रस्ताविक भाषण में बताया कि योग गार्डन में रोजाना प्रातः योग, प्राणायाम के अलावा रंगोत्सव, गुरुपूर्णिमा, राष्ट्रीय कार्यक्रम, कोजागिरी, जन्मदिन, टिप, हर वर्ष विश्व योग दिन आदि भी कार्यक्रमों का आयोजन पतंजलि

योग समिति शांतिपूर्ण तरीके से करती है. इस अवसर पर उद्घाटन नरेंद्र भोंडेकर ने योगसाधकों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए यहां एक विरांगुला केंद्र, नए विस्तारित शेड, 2 मंजिला इमारत निर्माण कार्य, एक सुंदर हरियाली से युक्त मिस्किन गार्डन साकार कर इसका नाम बदलकर संभाजी योग उद्यान रखा जाएगा. संचालन अनुल वर्मा तथा आभार प्रदर्शन पुरुषोत्तम वैद्य ने किया.

निरीक्षण कर 7 कृषि केंद्रों पर बीज की बिक्री बंद कृषि विभाग की भरारी टीम की कार्रवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : खरीफ सीजन शुरू हो गया है और कृषि केंद्रों पर बीज और उर्वरक बिक्री के लिए उपलब्ध हैं. किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज एवं खाद उपलब्ध हो इसके लिए उड़न दस्ते की ओर से गहन निरीक्षण किया जा रहा है. अब तक 100 से अधिक कृषि केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है. निरीक्षण के दौरान जिन 7 कृषि केंद्रों में त्रुटियां पाई गईं, उनके बीज बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

इन कृषि केंद्रों के सामने मूल्य बोर्ड प्रदर्शित नहीं किया गया था. स्टॉक रजिस्टर अद्यतन नहीं था. बिक्री के लिए उपलब्ध बीज कंपनी का मूल प्रमाण पत्र शामिल नहीं था. निरीक्षण के दौरान लाइसेंस, बिक्री के लिए बिल बुक



में बेची गई सामग्री की पूरी जानकारी शामिल नहीं थी.

उपलब्ध कंपनी के बीज का स्रोत प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होना, बिना पीओएस मशीन के

त्रुटि पाये जाने पर कानूनी कार्रवाई होगी

सभी बीज, उर्वरक, कीटनाशक विक्रेताओं को तहसीलवार खरीफ सीजन की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का कानून के अनुसार सख्ती से पालन करना चाहिए. अन्यथा निरीक्षण के दौरान कोई त्रुटि पाये जाने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

-वी. एम. चौधरी, मिशन अधिकारी, जि.प. भंडारा.

ऑफलाइन रासायनिक उर्वरक की बिक्री आदि त्रुटियां सामने आईं. इस तरह की त्रुटियां पाए जाने पर 7 कृषि केंद्रों पर कार्रवाई की गई है.